माननीय उपराष्ट्रपति करेगें प्रथम अन्तरराष्ट्रीय कला मेला का उद्घाटन

कला और संस्कृति को प्रोत्साहन देने वाली सर्वोच्च संस्था ललित कला अकादेमी दिनांक 4 से 18 फरवरी, 2018 तक प्रथम अन्तरराष्ट्रीय कला मेला का आयोजन करने जा रही है। इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में प्रतिदिन प्रातः 12.00 से सायं 8.00 बजे तक आयोजित इस कला मेले में कलाकार और कला समूह अपनी कृतियाँ प्रदर्शित कर सकेंगे।

प्रथम अन्तरराष्ट्रीय कला मेला का उद्घाटन **भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम.वैकया नायडू** द्वारा **माननीय संस्कृति मंत्री डॉ. महेश शर्मा**, अकादेमी के प्रशासक श्री सि.एस.कृष्ण सेट्टि और इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी की गरिमामय उपस्थिति में 4 फरवरी, 2018 को सायं 5.00 बजे किया जाएगा। उद्घाटन के पश्चात् श्रीलंका के करुणादास ओलाबोडुवा नृत्य समूह द्वारा लोक नृत्य और भारत के पंडित हरीश गंगानी एवं साथियों द्वारा कथक गायन प्रस्तुति दी जाएगी।

कला मेला के दौरान विभिन्न कला गतिविधियों और वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा जिनमें दृश्यकला फिल्मोत्सव, पॉटरी/पटचित्र/पेपरमेशी वर्कशॉप, बेस्ट फ्रॉम वेस्ट वर्कशॉप, संगीतमय प्रस्तुतियाँ, डांस-ड्रामा, जेकिया, सीवेन्सी द्वारा वॉयलिन मेकिंग वर्कशॉप, आर्टिस्ट गपशप प्वाईंट, नुक्कड़ नाटक और प्रत्यक्ष प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जायेगा। अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में पुर्तगाल के नूनो फ्लोरेस द्वारा वॉयलिन, अकेडेमी साउथ एशियन डांस, यू.के. द्वारा प्रथम विश्व युद्ध में प्रेम और त्याग की कहानी "द ट्राथ-उसने कहा था", जेरोस्लेव सिवेन्सी जेकिय द्वारा वॉयलिन, यू.के.की देविका राव द्वारा यक्षगान, हंगरी के नोबर्ट केल द्वारा पियानो और देविका डांस थिएटर यू.के. द्वारा 'या देवी' आदि सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए किया जाएगा।

ललित कला अकादेमी के प्रशासक श्री सि.एस.कृष्ण सेट्टि के शब्दों में "अकादेमी ने पहली बार इतने बड़े स्तर पर अन्तरराष्ट्रीय कला मेला का आयोजन किया है। यह उन कलाकारों के लिए एक सुनहरा अवसर की तरह है जो कला दीर्घाओं में कलाकृतियों का प्रदर्शन करने

में समर्थ नही हैं। कला समुदाय के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता रखते हुए यह कला मेला कलाओं में आधुनिक प्रवृतियों के समकालीन प्रवाह की मिसाल देखने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। कुल मिलाकर यह अपनी तरह का पहला और कला जगत में मील का पत्थर साबित होगा"

इस कार्यक्रम में 800 से अधिक कलाकार भाग ले रहे है। इसे अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर सफल बनाने के लिए कई दूतावास और सांस्कृतिक केन्द्र इस उत्सव में भाग ले रहे हैं। चीन, वेनेजुएला, पेरू, पुर्तगाल, श्रीलंका, पौलेंड, टयूनिशिया, मेक्सिको, बांग्लादेश, त्रिनिदाद, टोबेगो, फीजी, फ्रांस, पापुआ, न्यू गीनिया, चेकिया, यू.के, स्पेन और ब्राजील सहित कई देश मेले में भाग ले रहें हैं। अन्तरराष्ट्रीय प्रतिनिधित्व सहित भारतीय कलाकारों और संस्थाओं के लिए लगभग 325 स्टॉल हैं।

अन्तरराष्ट्रीय कला मेला एक ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है जब कला के बाजार में भारतीय कला के लिए सार्वभौम मंच हेतु एक प्रत्यक्ष मांग है। कला मेला का प्रमुख उद्देश्य कलाकारों और कला विशेषज्ञों के मध्य प्रत्यक्ष संवाद को प्रोत्साहित करते हुए कला के प्रति जागरूकता को बढ़ावा है जो कि ललित कला अकादेमी का लक्ष्य है। इस व्यापक पहुँच में पूरे विश्व के राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित कलाकारों और कला आलोचकों की प्रतिभागिता शामिल है।

ललित कला अकादेमी का परिचय

देश में कला और कलात्मक प्रवृत्तियों के प्रचार-प्रसार एवं संरक्षण के लिए ललित कला अकादेमी का गठन 5 अगस्त, 1954 को भारत सरकार ने किया था। यह वैधानिक स्वायत्त निकाय है जो सोसायटी के रूप में 1957 से पंजीकृत है। इस राष्ट्रीय कला अकादेमी का ध्येय भारत की विविध प्राचीन, आधुनिक एवं समकालीन कला प्रवृत्तियों, कला विधाओं एवं कलाकृतियों का प्रचार, प्रसार, संरक्षण एवं नियोजन करना है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अकादेमी विभिन्न फेलोषिप एवं स्काॅलरषिप भी प्रदान करती है। ललित कला अकादेमी के नई दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय के अलावा देश के विभिन्न अंचलों में क्षेत्रीय कला केंद्र भी स्थित हैं।